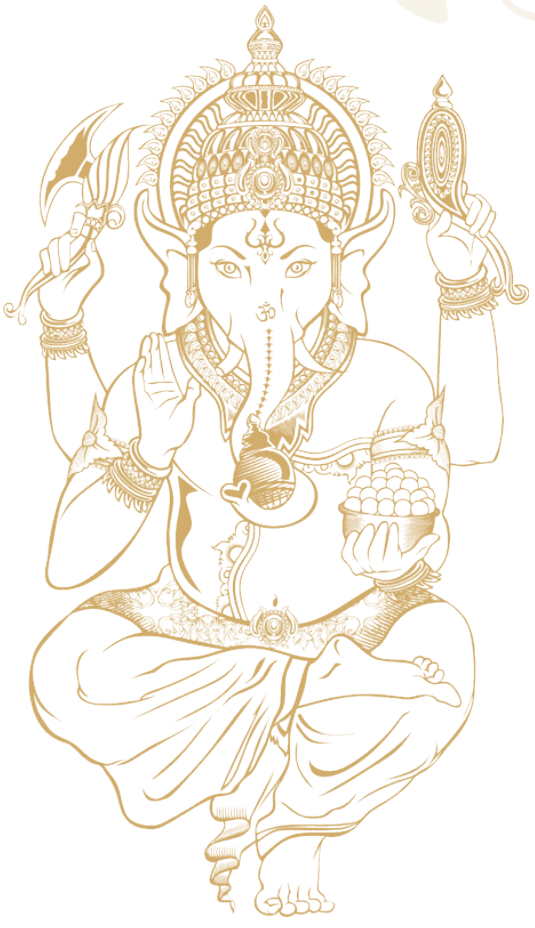

Parsotam Sarsti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120961404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1998	जन्म तिथि	03/08/2008
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 17:15:00	जन्म समय	07:45:00 घंटे
घटी 27:50:19	जन्म समय(घटी)	05:07:21 घटी
India	देश	India
Shamli	स्थान	Muzaffarnagar
29:27:00 उत्तर	अक्षांश	29:28:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:06:52	सूर्योदय	05:40:25
18:22:45	सूर्यास्त	19:09:45
23:50:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:58:50

विंशोत्तरी केतु 3वर्ष 6मा 8दि सूर्य		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 2वर्ष 2मा 28दि शुक्र	
28/03/2022		08:57:33	कुंभ	लग्न	सिंह	12:54:18	01/11/2010	
28/03/2028		01:31:28	कन्या	सूर्य	कर्क	17:08:49	01/11/2030	
सूर्य	16/07/2022	06:37:15	सिंह	चंद्र	सिंह	09:03:27	शुक्र	02/03/2014
चन्द्र	15/01/2023	24:23:07	कर्क	मंगल	सिंह	25:45:00	सूर्य	02/03/2015
मंगल	22/05/2023	25:08:46	सिंह	बुध	कर्क	21:50:03	चन्द्र	31/10/2016
राहु	15/04/2024	28:54:13	कुंभ व	गुरु व	धनु	20:31:26	मंगल	31/12/2017
गुरु	01/02/2025	20:38:04	सिंह	शुक्र	सिंह	02:13:30	राहु	31/12/2020
शनि	14/01/2026	08:50:04	मेष व	शनि	सिंह	14:00:05	गुरु	01/09/2023
बुध	21/11/2026	07:36:11	सिंह	राहु	मक	24:32:43	शनि	01/11/2026
केतु	29/03/2027	07:36:11	कुंभ	केतु	कर्क	24:32:43	बुध	01/09/2029
शुक्र	28/03/2028	05:41:30	मक व	हर्ष व	कुंभ	28:09:04	केतु	01/11/2030
		11:45:51	वृश्चि	प्लूटो व	धनु	04:51:16		

लग्न-चलित

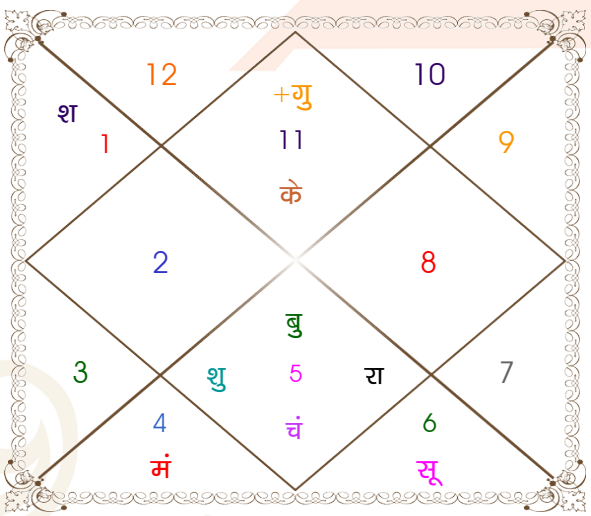

लग्न-चलित

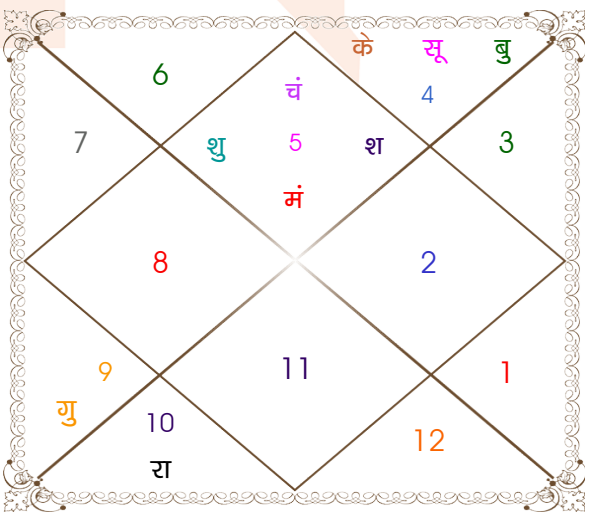

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Parsotam का वर्ग मूषक है तथा Sarsti का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Parsotam और Sarsti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Parsotam मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Sarsti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Sarsti कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Parsotam कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Parsotam तथा Sarsti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।